

## कोई दिल की साज बजाएं तन्हाई में

### शिवाय श्रेष्ठ

कोई दिल की साज बजाएं तन्हाई में

कोई नगमा वफ़ा का गए तन्हाई में

शर्द हो गयी है फिजां की हवाएं

कोई गर्मी-ए-एहसास लाये तन्हाई में

चाँद सितारें चमक रहे हैं

कोई नया अरमान जगाये तन्हाई में

बेचैन है हम चैन नहीं

कोई पास बुलाएँ तन्हाई में

लहरें मचल रही हैं कब से

गुनगुनाये 'साहिल' भी कभी तन्हाई में

कोई दिल की साज बजाएं तन्हाई में